साप्ताहिक
बुलंद गोंदिया
खबरों का आईना
प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**
E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | **RNI NO. MAH-HIN-2020/84319**
वर्ष : 4 । अंक : 44 | गोंदिया : गुरुवार, दि. 13 जून से 19 जून 2024 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : रु. 5

दुर्घटना में प्रौढ़ घायल

गोंदिया-शहर के जयस्तंभ चौक में हुई दुर्घटना में एकोडी निवासी रवि भुरेले (48) गंभीर रूप से घायल हो गया. उसे उपचार के लिए गोंदिया मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार चल रहा है शहर पलिस ने मामला दर्ज किया गया।

प्रॉपर्टी डीलर महेश दखने हत्याकांड 4 आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

आर्थिक लेनदेन को लेकर घटना को दिया अंजाम

बुलंद गोंदिया। गोंदिया शहर के छोटा गोंदिया निवासी महेश विजय कुमार दखने उम्र 36 वर्ष की किसान चौक छोटा गोंदिया बायपास रोड पर 9 जून रविवार की सुबह 9.00 से 9.30 के दौरान अज्ञात लोगों द्वारा हथौड़े व अन्य हथियार से हमला कर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया था। जिसकी उपचार के दौरान रात 9ः30 बजे के करीब मौत हो गई जिस पर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर कर 4 आरोपियों को हिरासत में लिया तथा आरोपियों द्वारा आर्थिक लेनदेन को लेकर इस घटना को अंजाम देने की बात कबूल की है इस प्रकार की जानकारी गोंदिया की उपविभागीय पुलिस अधिकारी रोहिणी बनकर द्वारा शहर पुलिस थाने में आयोजित पत्र परिषद में दी। प्रकरण इस प्रकार है कि 9 जून रविवार की सुबह 9ः00 से 9ः30 के दौरान प्रॉपर्टी की दलाली का कार्य करने वाले महेश विजय कुमार दखने उम्र 36 वर्ष यह अपने किसी निजी कार्य हेतु किसान चौक छोटा गोंदिया बायपास मार्ग पर गया था। इसी दौरान अज्ञात आरोपियों द्वारा महेश देखने को जान से करने के उद्देश्य से सिर पर हथौड़ी वह कुल्हाड़ी से हमला कर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया जिसे उपचार के लिए एक निजी चिकित्सालय में दाखिल कराया गया था। इस मामले में फरियादी कामिनी महेश दखने उम्र 34 वर्ष की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ भादवी की धारा 30734 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की, लेकिन रविवार 9 जून की रात 9ः30 बजे के करीब उपचार के दौरान महेश दखने की मौत हो गई। जिस पर पुलिस द्वारा हत्या का मामला धारा 302 के तहत दर्ज कर मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक निखिल पिंगले, अपर पुलिस अधीक्षक नित्यानंद झा तथा उपविभागीय पुलिस अधिकारी रोहिणी बनकर के दिशा निर्देश अनुसार गोंदिया शहर पुलिस निरीक्षक चंद्रकांत सूर्यवंशी द्वारा विभिन्न पथक तैयार कर आरोपियों की तलाश के लिए लगा दिया। साथ में ही लोकल क्राइम ब्रांच भी इस मामले जांच में जुट गया। इस मामले मेंपुलिस दल सफलता मिली व इस घटना में शामिल चार आरोपियों को पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया। जिसमें मुख्य आरोपी देवेंद्र उर्फ देवा तुकाराम कापसे उम्र 48 वर्ष शिव मंदिर अंबाटोली फुलचुर निवासी 2) सुरेंद्र हरिदास मटाले उम्र 32 वर्ष निवासी शिवनी /इंदिरा नगर पोस्ट चिड़चाड़बांध तहसील आमगांव जिला गोंदिया 3) मोरेश्वर चैतराम मटाले उम्र 26 वर्ष निवासी मोहगांव पोस्ट सुपलीपार तहसील आमगांव जिला गोंदिया वह 4) नरेश नारायण तरोंने उम्र 38 वर्ष निवासी आरटीओ ऑफिस के समीप गोंदिया को गिरफ्तार किया। उल्लेखनीय के इसमें आरोपी क्रमांक 4 नरेश तरोने पर इसके पूर्व भी हत्या वह हत्या के प्रयास सहित 4 आपराधिक मामले दर्ज है। इस मामले में पुलिस द्वारा कड़ाई से पूछताछ किए जाने पर आरोपियों द्वारा कबूल किया कि महेश दखने को जान से करने के उद्देश्य से सिर पर हथौड़ी से वार किया गया। उपरोक्त मामले में सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया जहां सभी चारो को 15 जून तक न्यायालय द्वारा पुलिस हिरासत में भेजा गया तथा इस मामले की जांच पुलिस उप निरीक्षक मंगेश वानखेड़े द्वारा की जा रही है। इस हत्याकांड की जांच कर जल्द से जल्द आरोपियों को गिरफ्तार करने पर पुलिस अधीक्षक निखिल पिंगले , अपर पुलिस अधीक्षक नित्यानंद झा ,उपविभागीय पुलिस अधिकारी श्रीमती रोहिणी बनकर ने शहर पुलिस निरीक्षक चंद्रकांत सूर्यवंशी के मार्गदर्शन में मामले का खुलासा करने वाले पथक में शामिल सहायक पुलिस निरीक्षक सोमनाथ कदम, संजय पांडरे , पुलिस उप निरीक्षक मंगेश वानखेडे, सेंदाने,पोउपनि चन्नावार,थेर पुलिस हवलदार जागेश्वर उइके , सुदेश टैंभरे, कवलपालसिह भाटिया, निशिकांत लौंदासे, दीपक रंहागडाले, सतीश सेंडे , प्रमोद चौहान ,मपो हवा रीना चौहान, पोशि दिनेश बिसेन, मुकेश रावते ,सुभाष सोनवाने, कुणाल बारेबार, पो हवा श्याम कुमार कोरे , संतोष भंडारकर का अभिनंदन किया।

गले पर रस्सी का निशान मृतक मेघशाम का शव अंतिम संस्कार के स्थान पर पहुंचा पोस्टमार्टम गृह

बुलंद गोंदिया। (संवाददाता अर्जुनी मोरगांव)-अर्जुनी मोरगांव तहसील के अंतर्गत आने वाले ईसापुर निवासी मेघशाम कुंडलीक भावे उम्र 44 वर्ष की 12 जून की सुबह मौत हो गई थी ।जिससे दोपहर में उसके शव को अंतिम संस्कार के लिए ले जाया जा रहा था इसी दौरान गले पर रस्सी का निशान दिखाई देने पर मृतक के शव को पुलिस द्वारा पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अर्जुन ने मोरगांव तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम ईसापूर निवासी मेघशाम कुंडलीक भावे उम्र 44 वर्ष की 12 जून की सुबह 6ः00 बजे के दौरान मृत अवस्था में दिखाई दिया। जिसके अंतिम संस्कार के लिए रिश्तेदारों को बुलवाया गया वह दोपहर 12.00 के दौरान मृतक के शव को जब नहलाया जा रहा था इसी दौरान गले पर रस्सी का निशान दिखाई दिए जाने पर इसकी जानकारी अर्जुनी मोरगांव पुलिस को दी गई। जानकारी मिलते ही पुलिस निरीक्षक विजयनंद पाटील अपने दल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए ग्रामीण चिकित्सालय अर्जुन ने मोर गांव में भेजा। तथा इसके साथ ही मामले की जांच शुरू की तथा मृतक की पत्नी वैशाली तथा दो महीना से उसके घर पर निवास कर रही उसकी पत्नी के बहन की बेटी मयूरी महेंद्र दुनेदार उम्र 15 वर्ष वह पिता कुंडलीक भावे को इस घटना की पूछताछ के लिए पुलिस थाने बुलवाकर मामले ली जांच शुरू की। मृतक में मेघशाम या अपने माता-पिता पत्नी वह दो बेटों के साथ ग्राम ईसापुर में रहता था।

उपरोक्त मामले में मृतक की मौत गला घोटने से हुई है या उसने फांसी लगाई है यह संदेहास्पद स्थिति गले पर रस्सी का निशान दिखाई देने पर निर्माण हो गयी है। जिससे अब इस मामले की गंभीरता से जांच अर्जुनी मोर गांव पुलिस थाने के पुलिस निरीक्षक विजयनंद पाटील द्वारा की जा रही है।

दोपहिया से गिरने से व्यक्ति घायल

गोंदिया-तहसील के ग्राम कामठा में दोपहिया से फिसलकर गिरने से सुभाष शेंडे (33) गंभीर रूप से घायल हो गया. उसे कामठा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से प्राथमिक उपचार के बाद गोंदिया मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार चल रहा है. शहर पुलिस ने मामला दर्ज किया है.

गोंदिया नगर परिषद कर्मचारी संघर्ष समिति ने अपनी विभिन्न मांगों का मुख्याधिकारी को दिया ज्ञापन

बुलंद गोंदिया। गोंदिया नगर परिषद नगर पालिका कर्मचारी संघर्ष समिति द्वारा अपनी विभिन्न मांगो जिसमे एक स्तरीय पदोन्नति, वेतन श्रेणी, प्रोत्साहन भत्ता का लाभ मिलने हेतु ज्ञापन मुख्याधिकारी व प्रशासक सुनील बल्लाल को देकर इसे शासन तक पहुंच कर जल्द से जल्द पूर्ण पूरी करवाने की मांग की।

शासन सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्रक क्रमांक 2022 के अनुसार नगर परिषद में कार्यरत सभी कर्मचारी को एक स्तरीय पदोन्नति, वेतन श्रेणी बढ़ोतरी, प्रोत्साहन भत्ता का लाभ प्राप्त हो इसके लिए गोंदिया नगर परिषद के मुख्याधिकारी व प्रशासक सुनील बल्लाल को महाराष्ट्र राज्य नगर परिषद नगर पंचायत कर्मचारी संगठन संलग्न गोंदिया नगर परिषद कर्मचारी संघर्ष समिति द्वारा सोपा गया।

इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष सुरेंद्र बंसोड़ ,सचिव जितेंद्र वैष्णव ,गणेश भेलावे, सुनीता कनौजिया, तथा अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस गोंदिया शाखा के उपाध्यक्ष राजेंद्र दुबे की प्रमुख उपस्थिति में प्रशासकीय अधिकारी सीए राणे, प्रदीप घोड़ेश्वर, अब्दुल सलाम कुरेशी, श्याम शेन्डे , अजय चौरसिया ,राजेश हलमारे, वामन तिवारी, दिनेश शुक्ला, श्रीमती गीता ओरे, श्रीमती सीमा नंदनवार, किशोर ऊके, राहुल तिवारी ,समर मिश्रा, शरद बोरकर, नितेंद्र बसेना, आमेंद्र दीप, वीरेंद्र उधडे, अभिषेक बोरकर, राजू सोरते, सदाराम मेश्राम, सुभाष देशमुख, प्रकाश धोटे, गिरधर शर्मा, गौरव दीप, सुशील बिसने, प्रदीप मिश्रा, बबलू वाघमारे, वाढई ,चचाने, बैस, दामोदर राउत ,काठाने ,सोनवाने, संजय ऊके, शैलेंद्र समुद्रे, जनेवार, धोटे सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित थे ।इस समय मुख्याधिकारी सुनील बल्लाल द्वारा उपस्थित कर्मचारियों का मार्गदर्शन करते हुए बताया गया कि जल्द से जल्द इसका लाभ कर्मचारियों को मिले ऐसा किया जाएगा जिस पर कर्मचारियों द्वारा मुख्य अधिकारी का अभिनंदन पर उनका आभार व्यक्त किया। साथ ही जिस प्रकार देवरी नगर पंचायत, आमगांव नगर परिषद में कार्यरत कर्मचारी यो ग्रेड एंप्लाइज का लाभ मिल चुका है साथ ही एक टेबल पर दो कर्मचारी कार्य करते हैं उसमें से एक को एक स्तरीय पदोन्नति योजना का लाभ दिया गया किंतु दूसरे कर्मचारियों को एक स्तरीय पदोन्नति योजना के लाभ से वंचित किया गया है उसी के प्रकार गोंदिया नगर परिषद में की स्थापना पर कार्यरत स्थानीय कर्मचारियों को भी इस स्तरीय स्तरीय पदोन्नति के लाभ से वंचित रखा गया है जो लाभ जल्द से जल्द कर्मचारियों को प्राप्त हो ऐसी मांग की गई है।

हैदराबाद से मध्य प्रदेश जा रही निजी बस दुर्घटनाग्रस्त1 की मौत 16 जख्मी

गोरेगांव तहसील के मिलटोली परिसर में हुआ हादसा राइस मिल की दीवाल से टकराई बस

बुलंद गोंदिया। गोंदिया से कोहमारा राष्ट्रीय राजमार्ग पर गोरेगांव तहसील के अंतर्गत आने वाले मिलटोली के समीप सोमवार 10 जून की सुबह 7.30 बजे के दौरान आंध्र प्रदेश के हैदराबाद से मध्य प्रदेश के लांजी की ओर जा रही निजी ट्रेवल की बस चालक का नियंत्रण छूटने से एक राइस मिल की दीवाल से जा टकराई इस दुर्घटना में 1 यात्री की मौत हो गई वह 16 जख्मी हो गए।

गोंदियाः गोंदिया-गोरेगांव राष्ट्रीय राजमार्ग पर आंध्रप्रदेश के हैदराबाद से मध्य प्रदेश के लांजी तक मजदूरों को लेकर जा रही एक निजी ट्रैवल बस भयानक दुर्घटना का शिकार हो गई। इस हादसे में एक मजदूर की मौत हो गई, जबकि 11 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए और 6 लोगो मामूली चोटे आयी है। मृतक मजदूर का नाम थानसिंह यादव (उम्र 30 वर्ष, रेलवाड़ी जिला बालाघाट, मप्र) बताया गया है। इस मामले में गोंदिया ग्रामीण पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है और बस ड्राइवर मोहित उमाप्रसाद किरसान (नि. उगली/शिवनी मप्र) को पुलिस ने हिरासत में लिया है। गौरतलब है कि मध्य प्रदेश राज्य के लांजी से हैदराबाद तक प्राइवेट ट्रेवल्स की बसेस चलती है। प्रतिदिन सैकड़ों यात्री इन ट्रेवल्स से यात्रा करते हैं. इस बीच, मध्य प्रदेश राज्य से कई मजदूरों को हैदराबाद में निर्माण कंपनियों में काम करने के लिए हैदराबाद ले जाया जाता है। इसी बीच सोमवार सुबह लांजी की पायल ट्रेवल्स कंपनी की ट्रेवल्स क्रमांक एमपी 13 पी 7999 हैदराबाद से करीब 70 से 80 यात्रियों को लेकर लांजी लौट रही थी, तभी गोंदिया और गोरेगांव के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग पर चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया। इसी दौरान बस सड़क के किनारे स्थित राहुल राइस मिल के श्रमिकों के क्वार्टर में जा घुसी। जिसमें ट्रैवल्स पर सवार 12 मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की जानकारी मिलते ही गोंदिया ग्रामीण पुलिस मौके पर पहुंची और फिलहाल सभी घायलों को गोंदिया के केटीएस जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है. इसी बीच करीब 11 बजे थानसिंह यादव की इलाज के दौरान मौत होने की जानकारी मिली है। जबकि 11 गंभीर यात्रियों का इलाज चल रहा है और 6 मामूली घायलों को दवा देकर घर भेज दिया गया है. घायलों यात्रियों में साहिल धनलाल काळसर्पे (22), गजानन उईके (24), अशोक काटीवाल (21) सभी निवासी बालाघाट, गीता लटारे (38) निवासी. लांजी, जयपाल गावड (39)निवासी दर्रेकसा), उर्मिला बेहेरे (40) निवासी परसवाडा, राजेश पुसाम (26) निवासी भजेपार, शैलेश परते (32) निवासी तैरेपार, बाबूलाल नागपुरे, भेरुराम नागपुरे (50) दोनों निवासी वारासिवनी ऐसे गंभीर घायलों के नाम है। वही बाबूलाल नागपुरे, लेखराम नागपुरे, यादव लिल्हारे, उमेश लिल्हारे, जयकिशोर रणगीरे, राकेश उपवंशी सभी निवासी नरसाळा/वारासिवनी, जि. बालाघाट, म.प्र.) को मामूली चोटें आयी है।

जरुरी काम होने पर ही घर के बाहर निकले-अशोक(गप्पू)गुप्ता

बुलंद गोंदिया। चिलचिलाती धुप से अनेक लोग बीमार पड़ रहे है. साथ ही पानी की समस्या भी निर्माण हो रही है. जिले का तापमान 45 डिग्री के ऊपर तक जा पहुंचा है. ऐसे गर्मी में केवल जरुरी काम होने पर ही घर के बाहर निकलना चाहिए और दिन भर भरपूर मात्रा में पानी पीते रहें। तरबूज, खरबूजा, खीरा, ककड़ी जैसे जलयुक्त फल और नारियल पानी का सेवन करें। सुबह जल्दी या शाम को देर से ही घर से बाहर निकलें। बुजुर्ग और बच्चेः इनका विशेष ध्यान रखें। ऐसा आव्हान अशोक (गप्पू) गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष, कांग्रेस कमेटी, गोंदिया ने नागरिको से आव्हान किया है। अनेक जगहों पर पानी की किल्लतो का सामना करना पड़ रहा है इस हेतु पानी का भी कम से कम उपयोग होना चाहिए ताकि पानी की दिक्कत निर्माण ना हो और सरकार ने इसपर नियंत्रण करने के लिए पानी संचित करने के लिए उपाययोजना करना आवश्यक है. दिनोंदिन तापमान में वृद्धि होते दिखाई पड़ रही है जिससे विकट परिस्थितयों का सामना करना पड़ रहा है. ऐसा भी गोंदिया जिला कांग्रेस कमेटी, के जिला उपाध्यक्ष, अशोक (गप्पू) गुप्ता, ने कहा है।

कावराबांध मार्ग से आवागमन मुश्किल

सालेकसा -इस समय कावराबांध मार्ग की मरम्मत का काम चल रहा है. यहां बारिश के जमा पानी की वजह से नागरिकों को आवागमन में परेशानी हो रही है.सालेकसा-आमगांव मार्ग अत्यंत महत्वपूर्ण है. यह मार्ग पूर्व दिशा की ओर छत्तीसगढ़-मध्यप्रदेश राज्य को जोड़ता है. पश्चिम दिशा में आमगांव तहसील एवं जिला मुख्यालय को जोड़ता है. इस मार्ग से रोजाना सैकड़ों ट्रक, कार एवं दोपहिया चालक आवागमन करते हैं. बारिश के समय हमेशा कावराबांध में मार्ग पर बड़े-बड़े गड्ढे हो जाते हैं. इसकी वजह से वाहन चालकों को भारी परेशानी होती है. कई बार कावराबांध में मार्ग के गड्ढों की वजह से छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं होती हैं. एक-दो बार इन गड्ढों की वजह से दुर्घटना में जान भी गई है. संबंधित विभाग द्वारा गट्टों की मरम्मत कावराबांध मार्ग पर सड़क पर जमा हुआ बारिश का पानी. की जाती है. इस समय भी मार्ग की मरम्मत का काम चल रहा है. लेकिन मार्ग डामर का बना हुआ है. इसकी वजह से मार्ग पर बारिश का पानी संचय हो जाता है. साथ ही बारिश के पानी से मार्ग पर बड़े-बड़े गड्ढे हो जाते हैं. इसलिए मार्ग के दोनों ओर नाली निर्माण करने की जरूरत है. संबंधित विभाग द्वारा नाली का निर्माण नहीं होने की स्थिति में बारिश में मार्ग पर पानी जमा होगा और उससे दुर्घटना की आशंका बना हई है.

तेढ़ा में आंधी-तूफान से उड़ी कई घरों की छतें

गोंदिया-पिछले तीन दिनों से जिले में शाम के समय आंधी-तूफान आ रहा है. 10 जून की शाम 5.30 बजे ग्राम तेढा में आए आंधी-तूफान में अनेक लोगों के घरों की टीन की छतें उड़ गईं. जिससे उन्हें खुले आसमान के नीचे रहने की नौबत आ गई है. यही नहीं इस आंधी-तूफान में कई पेड़ों की टहनियां बिजली तारों पर टूटकर गिरने से कई इलाकों में बिजली गुल हुई थी. लगभग आधा घंटे चले इस तूफान में लोगों का बड़े पैमाने पर नुकसान हो गया. कई स्थानों पर कार्यक्रम के मंडप उड़ गए. जिससे लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा

संपादकिय...

फिर उपचुनाव की गंगा

रिकार्ड और रिपोर्ट में फर्क होता है। पिछले उपचुनावों का रिपोर्ट कार्ड अपने रिकार्ड से भिन्न होने के कारण लोकसभा से भिड़ गया, इसलिए इस बार तीन निर्दलीयों के लिए मशक्कत बढ़ जाती है। विधानसभा अध्यक्ष ने पहले ही निर्दलीय विधायकों की आंखों से सुरमा चुराया और वे इस्तीफे के बावजूद कांग्रेसी बागियों के साथ उपचुनाव की गंगा में तब हाथ नहीं धो पाए। अब उनकी बारी आई है, हालांकि वे भी बागी बनकर ही उपचुनाव जीतना चाहते हैं। उपचुनाव जीतकर सुक्खू सरकार को गलत साबित करना चाहते हैं। कल तक उनके साथ छह कांग्रेसी भी सुक्खू सरकार के खिलाफ मैदान में उतरे थे। उनके रिपोर्ट कार्ड में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की शैली के खिलाफ जो भी था, वह पूरी तरह खरा साबित नहीं हुआ और बाजी चार-दो के हिसाब में सरकार को फतवा नहीं सुना सकी। अब शेष बचे तीन निर्दलीय विधायकों की कहानी का मंचन नालागढ़ में केएल ठाकुर, देहरा में होशियार सिंह तथा हमीरपुर के आशीष शर्मा करेंगे। पुनः मशक्कत यह भी कि क्या भाजपा सीधी अंगुली से उन्हें अपना टिकट देगी या कहीं सख्त-नरम के बीच गलबहियां बदल जाएंगी। जो भी हो और जितनी भी जीत हो, भाजपा के आंकड़े बदल सकते हैं। इस बार फिर कांग्रेस को अपनी क्षतिपूर्ति दूर करनी है तो निशाने पर आशीष शर्मा, होशियार सिंह व केएल ठाकुर आएंगे। यह दीगर है कि लोकसभा चुनाव की परिपाटी में यह तिकड़ी सफलतापूर्वक भाजपा के हाथ में रिकार्ड बना चुकी है, फिर भी हर चुनाव और मुद्दे अलग होते हैं। अब न सरकार के खिलाफ और न ही विधानसभा के हालात इतने सरल हैं कि एकतरफा हो जाएं। जाहिर है भाजपा के लिए यह बिसात इन्हीं मोहरों पर कमाल कर सकती है। इस बार पुनः हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के ही दो विधानसभा हलकों में उपचुनाव अपनी परिभाषा गढ़ेगा। पिछली बार सुजानपुर, बड़सर, गगरेट तथा कुटलैहड़ में उपचुनाव हुए तो इस बार हमीरपुर व देहरा में यही क्षेत्र फिर दांव लगा रहा है। इसके अलावा शिमला संसदीय क्षेत्र का नालागढ़ मैदान पर आया है। यानी भाजपा की मजबूत दीवारों के सामने प्रदेश सरकार की विश्वसनीयता पर ये उपचुनाव पुनः दोनों पार्टियों के बीच कुछ समाधान तो कुछ व्यवधान पैदा कर सकते हैं। हालांकि इनसे राजनीतिक जरूरतें किसी भी दल की पूरी नहीं हो रहीं, फिर भी तीन पूर्व विधायकों के अस्तित्व पर कई प्रश्न लेकर ये उपचुनाव खड़े हैं। उपचुनाव की वजह अब पूरी तरह बेमानी है, लेकिन सरकार के आंकड़ों में यह जंग सत्ता का नशा भर सकती है। पहले भी छह उपचुनाव मुख्यमंत्री की सरपरस्ती में हुए और चार सीटें जीतकर हर स्थिति में कांग्रेस बहुमत पा गई और अगर इस बार भी अनुकूल परिणाम आए तो सरकार का पलड़ा और सुखविंदर सुक्खू का प्रभुत्व भारी होगा। भाजपा ने हिमाचल की 61 सीटें पहले ही जीतकर लोकसभा के हर खंड में विजयश्री प्राप्त की है, लिहाजा नाक की लड़ाई इस बार मुद्दे और मुराद पर होगी।

चरण स्पर्श के बड़े हैं लाभ, लेकिन कुछ लोगों के पैर छूने से हो सकता है बड़ा नुकसान, जानें

चरण स्पर्श करने से धार्मिक और वैज्ञानिक दोनों तरह के लाभ मिलते हैं। भक्ति और समर्पण की भावना से लोग चरणों को स्पर्श करके आशीर्वाद लेते हैं।पैर छूने की प्रक्रिया जितनी आस्था और विश्वास से जुड़ी हुई है, उतनी ही हिंदू धर्म के मान्यताओं से भी जुड़ी हुई है।

सनातन धर्म में पैर छूने की परंपरा प्राचीन काल से ही चलती आ रही है। इस परंपरा का पालन आज भी काफी लोग करते हैं। कहते हैं, चरण स्पर्श करने से धार्मिक और वैज्ञानिक दोनों तरह के लाभ मिलते हैं। भक्ति और समर्पण की भावना से लोग चरणों को स्पर्श करके आशीर्वाद लेते हैं। सनातन धर्म में पैर छूने का इतना महत्व है कि हमारे यहां मां और गुरु के चरण स्पर्श को उनके प्रति आस्था और श्रद्धा का प्रतीक माना गया है।

किनके पैर छूने चाहिए और किसके नहीं

पैर छूने की प्रक्रिया जितनी आस्था और विश्वास से जुड़ी हुई है, उतनी ही हिंदू धर्म के मान्यताओं से भी जुड़ी हुई है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ ऐसे लोग हैं, जिनके अगर आप पैर छूते हैं तो पुण्य की जगह पाप के भागीदारी बनते है।

ऐसे में आइए जानें क्या कहते हैं ज्योतिष

1- ज्योतिषियों के मुताबिक, किसी भी पिता को अपनी बेटी, भतीजी, नातिन या पोती से पैर नहीं छुआने चाहिएं। वे सब देवियों का बाल रूप होती हैं, जो कि भारतीय संस्कृति में पूजनीय कही गई हैं। ऐसे में अगर आप उन्हें अपने चरण स्पर्श करने की अनुमति देते हैं तो आप पाप के भागी बन जाते हैं।

2-यदि आप मंदिर में हैं और आपको वहां पर कोई बड़ा-बुजुर्ग या सम्मानीय व्यक्ति मिल जाता है, तो आप पहले भगवान को प्रणाम करें। क्योंकि, मंदिर में भगवान से बड़ा कोई नहीं होता है। भगवान के सामने किसी के पैर छूना मंदिर और भगवान का अपमान माना जाता है। इसलिए ऐसी गलती न करें।

3-आज के समय में देखा जाता है कि मामा और भांजे भांजी एक दोस्त की तरह भी रहते हैं, लेकिन मिलते से ही उनके समान में पैर जरूर छूते हैं। शास्त्रों के अनुसार भांजा-भांजी को अपने मामा-मामी के पैर नहीं छूने चाहिए। शास्त्रों में भांजा-भांजी को पूजनीय माना गया है और अगर ये पैर छूते हैं तो इससे मामा- मामी को पाप लग सकता है।

4-कहते हैं, यदि कोई व्यक्ति सो रहा है या लेटा हुआ है, तो उस समय उसके पैर नहीं छूना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि इससे लेटे हुए व्यक्ति की उम्र घटती है। केवल मरे हुए व्यक्ति के ही पैर लेटे हुई अवस्था में छुए जाते हैं।

5-हिंदू धर्म में यह माना जाता है कि श्मशान घाट से आए हुए व्यक्ति को किसी को भी अपना पैर नहीं छूने देना चाहिए। भले ही पैर छूने वाला इंसान आपसे बहुत छोटा हो या आपसे नीचे पद पर काम करता हो। ऐसा करने से खुद का नुकसान होता है। शास्त्रों में भी अंतिम संस्कार से लौटने पर व्यक्ति के पैर छूना अशुभ माना जाता है। शमशान में सब एक समान होते हैं।

बदलते ज़माने के साथ पिता-पुत्र के संबंधों में क्यों आती है खटास, ऐसे बनाए रखें संबंध को मधुर

अगर पिता और बेटे के रिश्ते की जाए तो, पिता और बेटे का रिश्ता बेहद अनमोल होता है। इस बारे में हमे ज्यादा बताने की जरूरत नहीं। क्योंकि, अगर आप पिता हैं या पुत्र हैं तो इसका अनुभव आपने खुद किया होगा। लेकिन, आजकल की लाइफ और लाइफस्टाइल में तेजी से बदलाव हो रहा है।

पिता-पुत्र के रिश्ते को बनाएं मजबूत

जिसके कारण पिता-पुत्र के रिश्ते बिगड़ने की संभावना बढ़ गई है। एक उपाय यह है कि आप कोशिश करके देखें। क्योंकि, कई बार लोग कोशिश नहीं करते और रिश्ते बिगड़ते चले जाते हैं। ऐसे में आज यहां हम आपको कुछ ऐसे उपायों के बारे में बताएंगे जिसकी मदद से पिता-पुत्र के रिश्ते में सुधार होगा।

1- जानकारों के अनुसार, इस बात का खास ख्याल रखना जरूरी है कि आप अपने पिता के साथ अगर किसी बात की चर्चा कर रहे हैं या फिर लड़ाई की स्थिति बन रही है, तो अपने शब्दों को अपमानजनक न बनाएं।

2- कई बार व्यक्ति जाने-अनजाने ऐसी बहुत सी बातें कह देता है, जो लड़ाई का कारण तो बनती ही है। साथ ही, लड़ाई के बाद भी इन बातों को वापस नहीं लिया जा सकता और उम्र भर यही बातें मन को ठेस पहुंचाती हैं। इसलिए ऐसी गलती भूल कर भी न करें।

3- पिता और पुत्र अगर अपने रिश्ते को सुधारना चाहते हैं तो उन्हें ये रूल बना लेना चाहिए कि उनके बीच कितना भी मतभेद क्यों न हो, वह एक दूसरे से बातचीत करना बंद नहीं करेंगे। जब गुस्सा शांत हो जाए तो ठंडे दिमाग से बातचीत करें।

4-जब भी पिता की किसी बात पर आपको गुस्सा आने लगे तो उन्हें उल्टा जवाब देने के बजाय कोशिश करें कि, आप किसी और काम में रम जाएं या घर से कुछ देर बाहर टहलने निकलें। इससे आपका गुस्सा शांत होगा और अगर पिता कुछ कह भी रहे हैं तो उस बात से आपको गुस्सा आना रुकेगा।

5- अगर आप इकलौती संतान हैं तो ठीक अन्यथा बड़ा होने के बाद जमीन जायदाद के बंटवारे को लेकर परिवार में झगड़ा होता है। इस बात को लेकर कई बार पिता के साथ बात बिगड़ जाती है। मगर जमीन जायदाद से ज्यादा जरूरी है संबंध बनाए रखना। इसलिए उनको कहें कि न ज्यादा चाहिए न कम, सबको बराबर हिस्सा दें। आप इस बात को जोर जबरदस्ती के साथ न कहें।

6- एक्सपर्ट्स कहते है, कई बार गुस्सा आने पर बेटे पिता से बात करने के बजाय अपने गुस्से को खुद पर हावी होने देते हैं और चीखना-चिल्लाना करके झगड़ा बढ़ाते हैं। अगर आपको अपने पिता की किसी बात से तकलीफ होती है तो उन्हें समझाने की कोशिश करें और यह कहने के बजाय कि वे आपकी कभी नहीं सुनते या आपको समझ नहीं सकते उनसे सचमुच बात करें। आखिर पिता का दिल भी मोम सा ही होता है, वे बस बाहर से कड़क दिखाई देते हैं।

आंगनवाड़ी के पोषण आहार में किया गया बदलाव

गोंदिया-एकीकृत सेवा योजना के तहत संचालित बाल विकास आंगनवाड़ी के बच्चे, गर्भवती महिला एवं स्तनपान कराने वाली माताओं को पौष्टिक आहार (टीएचआर) वितरित किया जाता है. लेकिन अब आहार में बदलाव किया है.

अब मल्टीमिक्स मोटा अनाज, प्रोटीन प्रीमिक्स एवं एनर्जी डेंस खिचड़ी के पॉकिट वितरित किए जा रहे हैं. इससे पूर्व इस योजना के तहत गेहूं, चावल, दाल, चना, शक्कर, नमक एवं मिर्ची आदि वस्तएं वितरित की जाती थीं. आंगनवाड़ी केंद्र नाबालिग बच्ची, गर्भवती महिला, स्तनपान कराने वाली माता, शून्य से छह वर्ष की आयु वाले बच्चों को पूरक पोषण आहार, स्वास्थ्य की जांच एवं टीकाकरण आदि सेवाएं दी जाती हैं. कुपोषित बच्चों को पौष्टिक आहार दिया जाता है. तीन-छह वर्ष के बच्चों को आंगनवाड़ी केंद्र में ही ताजा आहार दिया जाता है. छह महीने से तीन वर्ष के बच्चे, गर्भवती महिला एवं स्तनपान कराने वाली माताओं को टेक होम राशन का वितरण किया जाता है. पहले के आहार पाकिट में गेहूं, बेसन, सोया पीठ, चावल, मक्का, शक्कर, खाद्य तेल एवं सूक्ष्म अन्न द्रव्य दिया जाता था. लेकिन अब नए आहार में चावल, मटर, डेफेटेड सोया ग्रिट, मसाला मिक्स, खाद्य तेल, सूक्ष्म पोषक घटकों का समावेश है. इस मिश्रण को घर ले जाकर उबलते हुए पानी में डालकर 20 मिनट पकाने के बाद गर्म खाने की सूचना दी गई है.

सावरटोला में सम्मान पाकर भावुक हुए चरवाहे

नवेगांवबांध-ग्वाल को गांव का सबसे उपेक्षित समुदाय माना जाता है. पूरे वर्ष ग्वाल गांव के मवेशियों एवं भेड़ों को चराने गांव के आसपास के जंगल में ले जाते हैं. मवेशियों को दिन भर चराने के बाद मवेशी मालिकों के घर तक पहुंचाया जाता है. ऐसे उपेक्षित ग्वालों का समाजसेवी एवं गोंदिया जिला मराठा सेवा संघ के अध्यक्ष सुनील तरोणे की पहल पर सावरटोला में आयोजित कार्यक्रम में उपहार देकर सम्मानित किया गया. सभी ग्रामवासियों की ओर से तरोने द्वारा व्यक्त की गई कृतज्ञता से ग्राम के सभी 17 चरवाहे अभिभूत हो गए. आधुनिक तकनीक एवं विज्ञान के युग में बेहद उपेक्षित ग्वालों (बाल्की) को सम्मानित करने की परंपरा सावरटोला में तरोने की पहल से शुरु की गई है. पिछले 10 वर्षों से चाहे गर्मी हो, बारिश हो, या फिर सर्दी, चरवाहे गांव के सभी घरेलू पशुओं को चराने का काम ईमानदारी से करते हैं. बदले में उन्हें अनाज, कपड़े एवं अब पैसे के रूप में सालाना भुगतान किया जाता है. अब गांव की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए दूसरे समुदाय के लोग भी चरवाहे का काम करते हैं. वर्ष के 365 दिनों में कभी छुट्टी नहीं लेने वाले चरवाहे समाज एवं सरकार की विभिन्न योजनाओं से कोसों दूर हैं. सरकार को समाज के अन्य कमजोर वर्गों की तरह गोपालकों को भी वृद्धावस्था पेंशन योजना में प्राथमिकता दी जानी चाहिए.

पिछले दस वर्षों से मृग नक्षत्र में सावरटोला में ग्वालों के लिए दुधारा कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है. खुशनुमा माहौल में संपन्न हुए इस दो दिवसीय कार्यक्रम की अध्यक्षता संजीव बडोले ने की. अतिथि के रुप में विजय डोये, रामदास बोरकर, चिंतामन तरोने, भास्कर शिवनकर, यादव तरोने, मोहन शिवनकर एवं भेंडारकर उपस्थित थे. इस दौरान 17 गोपालकों को उपहार देकर सम्मानित किया गया

कंपाउंडरों के भरोसे पशु चिकित्सालय

डेयरी व्यवसाय की नई तकनीक से वंचित हैं पशुपालक और किसान

गोंदिया- जिले की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से कृषि और कृषि व्यवसाय पर निर्भर है. लेकिन, जिले में पशु चिकित्सालयों का कार्यभार फिलहाल रामभरोसे चल रहा है. पशु चिकित्सा अधिकारी नहीं रहने से कंपाउंडर पर ही कई पशु चिकित्सालयों का बोझ है, जिससे पशुपालकों में चिंता का माहौल है. जिले में बड़ी संख्या में किसान और पशुपालक पशुपालन और डेयरी व्यवसाय से जुड़े हैं, लेकिन नई तकनीक अभी भी उनसे कोसों दूर है क्योंकि उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है. सहायक व्यवसाय के रूप में कृषक व पशुपालन करने वाला वर्ग आर्थिक रूप से बहुत पिछड़ा हुआ है. इस विभाग के प्रति जनप्रतिनिधियों व अन्य जागरूक वर्ग का ध्यान नहीं होने के कारण पशुपालन के क्षेत्र में कोई प्रगति नहीं हो सकी है और संबंधित विभाग के अधिकारी व कर्मचारी पशुपालन का मार्गदर्शन नहीं कर रहे हैं. सरकार की योजनाओं की जानकारी भी पशुपालकों तक नहीं पहुंच पाती है. जिले का कुल क्षेत्रफल 5 लाख 17 हजार 807 हेक्टेयर है, जिसमें से 2 लाख 35 हजार 476 हेक्टेयर भूमि पर खेती होती है, जबकि 2 लाख 56 हजार 400 हेक्टेयर वन भूमि है. अत: मवेशियों के लिए घास का चारा उपलब्ध है. कृषि के अलावा, किसान पूरक व्यवसाय के रूप में गाय, भैंस और बकरी भी पालते हैं. वे इससे गाय-भैंसों का दूध निकालने का व्यवसाय करते हैं. कुल मिलाकर, पर्यावरण पशुपालन के लिए बहुत पौष्टिक और अनुकूल है. इसके बावजूद जिले के पशुपालकों को संकरीत गाय-भैंसों का लाभ भी नहीं मिल पाता है. पशु चिकित्सालय कंपाउंडर व चपरासी के भरोसे चल रहे हैं. पिछले 12 वर्षों से जिले में अधिकारियों के कई पद रिक्त हैं.

मोटरपंप, बाइक चोरी मामलों के 4 आरोपी गिरफ्तार

7 मोटरपंप, 2 बाइक समेत 1 लाख का माल जब्त

भंडारा-भंडारा जिले में अलग-अलग स्थानों पर हुई मोटरपंप और बाइक की चोरी के 11 मामलों में वांछित 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया. जिला पुलिस की स्थानीय अपराध शाखा (एलसीबी) के दल ने यह कार्रवाई की और आरोपियों की निशानदेही पर 7 मोटरपंप और 2 बाइक समेत 1 लाख 2 हजार का माल जब्त किया. आरोपियों में रोहित खोब्रागड़े (20), सत्यपाल खोब्रागड़े (31), शंकर भोयर (24) और हीरामन वाघाड़े (45) सभी निवासी किटाड़ी (तहसील लाखनी, जिला भंडारा) शामिल हैं. पुलिस ने आज बताया, आरोपी टोली बनाकर चोरी की वारदातों को अंजाम दिया करते थे. पिछले दिनों उन्होंने पालांदुर, साकोली, आंधलगांव, लास्वनी, पवनी, अड्याल, कारधा और करडी क्षेत्र में मोटरपंप और बाइक की चोरी की थी. संबद्ध थानों में आरोपियों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए थे और पुलिस उनकी तलाश कर रही थी. उसी बीच, गोपनीय जानकारी मिलने पर एलसीबी के दल ने 10 जून को योजना बनाकर सभी 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया. इस दौरान आरोपियों से की गई पूछताछ में मोटरपंप और बाइक चोरी के 11 मामले उजागर हुए. आरोपियों को आगे की जांच के लिए पालांदूर पुलिस को सौंप दिया गया. जिला पुलिस अधीक्षक लोहित मतानी और अपर पुलिस अधीक्षक ईश्वर कातकड़े के मार्गदर्शन में एलसीबी के पुलिस निरीक्षक नितीनकुमार चिंचोलकर, हवलदार किशोर मेश्राम, सचिन देशमुख, कृणाल कड़व, योगेश ढबाले, आशीष तिवाड़े और कौशिक गजभिये की सहभागितावाले दल ने यह कार्रवाई की.

गर्भाशय के कैंसर से बचाव के लिए 30 महिलाओं को दी वैक्सीन

भंडारा-शहर में महेश नवमी के पर्व पर स्वास्थ्य वृक्ष फाऊंडेशन की ओर से हाल ही में माहेश्वरी महिला मंडल ने नि:शुल्क गर्भाशय कैंसर शिविर का आयोजन किया गया था। इस समय माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्ष सीमा लाहोटी एवं उपाध्यक्ष बबीता मुंदड़ा ने मंडल की महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरुक रहने के लिए शिविर आयोजित किया था। शिविर में महिला मंडल की 30 सदस्यों ने गर्भाशय कैंसर के फ्री वैक्सीन का लाभ उठाया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए माहेश्वरी मंडल की सभी महिलाओं ने सहयोग किया।

कृउबास को दें छत्रपति शिवाजी का नाम

गोबरवाही-छत्रपति शिवाजी से कृषि उपज बाजार समिति तुमसर परिसर तक महाराज का नाम दिया जाए. ऐसी मांग रखते हुए छत्रपति शिवशंभु प्रतिष्ठान ने ज्ञापन सौंपा. छत्रपति शिवाजी महाराज प्रतिमा परिसर में सौंदर्याकरण, नागरिकों के लिए सुविधाजनक आवागमन हेतु तुमसर-भंडारा मार्ग की ओर से प्रवेश हेतु गेट की व्यवस्था, सर्वसामान्य जनता हेतु पार्क उपलब्ध कराया जाए. ऐसा निवेदन छत्रपति शिवशंभु प्रतिष्ठान की ओर से बाजार समिति संचालक मंडल को दिया गया. निवेदन पर समिति कि सभा में सकारात्मक विचार कर योग्य निर्णय लेने का आश्वासन सभापति भाऊराव तुमसरे व उपसभापति रामदयाल पारधी ने दिया. इस दौरान संचालक हरेंद्र रहांगडाले, किरण अतकरी, राजू माटे व बाजार समिति के सचिव भोयर, छत्रपति शिवशंभु प्रतिष्ठान के अध्यक्ष नितिन धांडे, अमोल उमरकर, अंकुश गभने एवं प्रतिष्ठान के पदाधिकारी उपस्थित थे.

10 लीटर शराब जब्त

गोंदिया -रामनगर थानांतर्गत ग्राम कटंगी निवासी सुरेश टेकाम (50) से पुलिस ने 10 लीटर महुआ शराब जब्त की. यह कार्रवाई 10 जून को पुलिस उपनिरीक्षक अमोल वाघमोड़े ने की. जब्त शराब की कीमत दो हजार रु. बताई गई. इस प्रकरण में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ महाराष्ट्र शराब बंदी कानून की धारा 65 (ई) के तहत मामला दर्ज किया.

कई गांवों में नलों से हो रही दूषित जलापूर्ति

जलापूर्ति योजनाओं में पानी फिल्टर व्यवस्था का अभाव

तिरोड़ा-तहसील के अधिकतर गांव इन दिनों दूषित जलापूर्ति की समस्या से जूझ रहे हैं. नदी व तालाब में मटमैला पानी जमा होने से वही पानी नल योजनाओं के माध्यम से घरों तक पहुंचाया जाता है. ऐसे में नागरिकों को दूषित पानी से अपनी प्यास बुझानी पड़ती है. लेकिन अधिकतर गांवों में जल फिल्टर करने की व्यवस्था उपलब्ध नहीं है जिस कारण ऐसे अनेक गांव में दूषित जलापूर्ति हो रही है. जो नागरिकों के स्वास्थ्य के लिए खतरा बनी हुई है. उल्लेखनीय है कि प्रशासन द्वारा जल जीवन मिशन के तहत गांव-गांव में जलापूर्ति योजनाओं के काम जोरों पर हुए है. प्रशासन द्वारा हर घर जल मिशन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है. लेकिन पानी फिल्टर करने पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है. तहसील की जलापूर्ति योजना में पानी फिल्टर व्यवस्था उपलब्ध है. वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में पानी फिल्टर व्यवस्था का अभाव है. जिसके चलते दूषित जलापूर्ति हो रही है. तहसील के धादरी, उमरी, सालेबर्डी, सोनोली, भंबोडी, चांदोरी, बिरोली आदि अनेक ग्रामीण क्षेत्रों में पानी को लेकर स्थिति गंभीर बनी हुई है. इन दिनों तालाबों व कुओं में जलस्तर कम हो गया है. जहां पानी पूरी तरह से दूषित है. जिसे फिल्टर करने की सख्त आवश्यकता है. लेकिन ग्रामों के जलापूर्ति योजना में पानी फिल्टर करने की कोई भी व्यवस्था उपलब्ध नहीं है, साथ ही कीटनाशक दवाइयों का इस्तेमाल भी नहीं किया जा रहा है.

ग्रामीणों के स्वास्थ्य से खिलवाड़

हैरानी की बात है कि उसी दूषित पानी की गांवों में जलापूर्ति हो रही है.जिसके चलते दूषित जल नागरिकों के घरों के नलों से निकल रहा है. जिसमें तरह-तरह के जंतु पानी में पाए जा रहे हैं. ऐसे में पानी पीने योग्य बिल्कुल भी नहीं होता है. लेकिन ग्रामीणों को दूसरा कोई जल स्त्रोत नहीं होने के चलते दूषित पानी उपयोग में लाने में मजबूर हैं. तहसील की अनेक ग्राम पंचायतें जल फिल्टर पर बिल्कुल भी ध्यान नहीं दे रही है. जो ग्रामीणों के स्वास्थ्य के प्रति खिलवाड़ है. वहीं अनेक ग्रामों में महीनों से ऐसा ही चलता आ रहा है. तहसील के अधिकतर गांवों में पानी नल योजना के माध्यम से तांत्रिक कारणों के कारण पानी भी नहीं पहुंच पा रहा है. ग्रामीणों ने जल्द से जल्द दूषित जलापूर्ति को रोकने के लिए पानी फिल्टर की व्यवस्था कराने की मांग प्रशासन से की है.

सप्ताह में एक दिन शुष्क दिन मनाएं : मुरुगानंथम

» मलेरिया प्रतिरोध महीने में नियंत्रण के लिए ग्रापं करें पहल

गोंदिया-बारिश के दिनों में मलेरिया, डेंगू, मस्तिष्क ज्वर जैसे कीट रोगों का प्रकोप बढ़ने का खतरा है. उपरोक्त सभी बीमारियां मच्छरों के कारण होती हैं. जिससे मलेरिया के रोकथाम के लिए जिले के नागरिक हर सप्ताह एक दिन सूखा दिन मनाएं ऐसी अपील जिप सीईओ मुरगानंथम ने की है. साथ ही यह भी बताया है कि मलेरिया, डेंगू और दिमागी बुखार जैसी कीट-जनित बीमारियों को नियंत्रित करने के लिए ग्राम पंचायत पहल करें. जिला स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रत्येक वर्ष जून माह में मलेरिया ज्वर निवारण माह चलाया जाता है. यदि हम पूरे मानसून सीजन के दौरान कीट-जनित बीमारियों के खिलाफ निवारक अभियान लागू करते हैं, तो हम निश्चित रूप से मलेरिया, डेंगू, मस्तिष्क ज्वर जैसे कीटजन्य बीमारी को रोक सकते है. ऐसी जानकारी जिला स्वास्थ्य अधिकारी डा. नितिन वानखेड़े ने दी है. इस अभियान के अंतर्गत सप्ताह में एक दिन पानी का संग्रह किए जाने वाले बर्तन साफकर उसे सूखाने, जहां पानी संग्रहित किया

जाता है उसे ढंक कर रखे जिससे कीट-जनित बीमारियों के प्रसार को रोक सकते हैं. एसी जानकारी जिला मलेरिया अधिकारी डा. विनोद चव्हाण ने दी है. मच्छरों के लिए रहता उपजाऊ वातावरण: हर साल जून के महीने में कभी कम तो कभी ज्यादा बारिश होती है. इससे मच्छरों के लिए उपजाऊ वातावरण बनता है जिसके परिणामस्वरूप मच्छर बड़ी संख्या में प्रजनन करते हैं. बरसात के दिनों में इन मच्छरों और दूषित पानी के कारण कीट और जल जनित बीमारियां होती हैं. इन जल-जनित और कीट-जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए अपने घर और घर के आसपास के सभी जल भंडारों खाली करने, शुष्क दिवस मनाने, पीने के पानी के भंडारों को ढकने, कीट निवारक दवाओं का छिड़काव करने जैसे उपाय करना आवश्यक है. डेंगू और मलेरिया का बुखार फैलाने वाले मच्छर घरेलू पौधे, फूलदान, गमले, फ्रिज, कूलर, भूमिगत पानी की टंकियां, प्लास्टिक की टंकियां, अप्रयुक्त टायर, ट्यूब, नारियल की भूसी, प्लास्टिक की बोतलें, टूटे हुए कप और घर के आसपास पड़े स्क्रैप में रहते है. बरसात के मौसम में जिले के किसी भी गांव या बस्ती में महामारी की बीमारी न फैले, इसका ख्याल स्वास्थ्य विभाग पहले से ही रख रहा है. इसके लिए गांवों में पेयजल स्त्रोतों, कुओं, हैंडपंपों, होटलों, टैंकरों की नियमित सफाई की जाए. इसके अलावा, जल शुद्धिकरण, सीवेज निपटान, धूम्रीकरण आदि जैसे उपायों को ग्राम पंचायत के माध्यम से नियमित किया जाए.

बूचड़खाने ले जा रहे 22 मवेशियों की बचाई जान, 6 लाख रु. का माल जब्त

गोंदिया-पुलिस अधीक्षक निखिल पिंगले, अपर पुलिस अधीक्षक नित्यानंद झा ने जिले के सभी थानेदारों को आगामी बकरी बई त्योहार के मद्देनजर जिले में अवैध पशु तस्करी को रोकने और प्रभावी छापेमारी करने के निर्देश दिए है. जिसके अनुसार उपविभागीय पुलिस अधिकारी प्रमोद मडामे के मार्गदर्शन में सालेकसा के पुलिस निरीक्षक भूषण बुराडे के नेतृत्व में पुलिस टीम विशेष छापेमारी अभियान चला रही हैं. इसी बीच मिली गुप्त सूचना के आधार पर पानगांव (साखरीटोला) जंगल परिसर में 11 जून की रात 3 बजे के दौरान एक वाहन में 8 मवेशियों को बूचड़खाने ले जाते हुए पकड़ा गया. इसी तरह गल्लाटोला

खेत परिसर में बांध के रखे गए 14 मवेशियों को मुक्त किया गया. इस कार्रवाई में कुल 6 लाख 3 हजार रु. का माल जब्त किया गया. आरोपी टिमकीटोला लांजी निवासी शाहबाज नुर हुसेन खान (52) व चिचटोला, सालेकसा निवासी अंगरथ राजेंद्र मोहबे (29) के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. यह कार्रवाई उपविभागीय पुलिस अधिकारी प्रमोद मडामे के मार्गदर्शन में पुलिस निरीक्षक भुषण बुराडे, सहायक पुलिस निरीक्षक अरविंद राऊत, पुलिस उपनिरीक्षक अजय पाटिल, सिपाही राहुल रोकडे, जितेंद्र पगरवार, विजेंद्र चुलपार, राधेश्याम रहांगडाले ने की.

बाम्हनी रेलवे चौकी के पास पैरों में शर्ट बंधा मिला शव

गोंदिया-आमगांव-देवरी हाईवे पर बाम्हनी रेलवे चौकी के पास रेलवे लाइन से सटा एक शव पड़े होने की घटना 11 जून की सुबह सामने आई है. मृतक का नाम भजेपार निवासी राजेश तुकाराम शिवनकर (55) बताया गया है. बताया जा रहा है कि राजेश शिवणकर 10 जून को रात 10 बजे के बाद घर से निकला था. घटना के संबंध में जब मृतक के परिजन से पूछा गया तो राजेश रात को खाना खाने के बाद साइकिल से घर से निकला. लेकिन हर दिन की तरह घर के लोगों को लगा कि वह गांव में कहीं गया है, लेकिन देर रात हो जाने के कारण जब वह घर नहीं लौटा तो घर के लोगों ने खोजबीन शुरू की और 11 जून की सुबह उसका शव मिला. राजेश शिवणकर रेलवे ट्रैक पर मिला. उल्लेखनीय है कि शव रेलवे ट्रैक के किनारे मिला और शव के पैर में शर्ट बंधी थी, तो क्या यह हादसा है या दुर्घटना? इस बात की चर्चा सभी ओर हो रही है. घटना की जानकारी मिलते ही आमगांव पुलिस घटना स्थल पर पहुंची. आगे की कार्रवाई जारी है.

धान के बीज 50 प्रतिशत छूट पर हो रहे उपलब्ध

गोंदिया-जिले के किसानों को जिला निधि के तहत खरीफ मौसम के लिए आवश्यक धान बीज 50 प्रश. छूट पर उपलब्ध कराया गया है. इसके लिए पंचायत समिति के अधीन कृषि अधिकारी/विस्तार अधिकारी (कृषि) से आवश्यक प्रमाण पत्र प्राप्त किया जा सकता है तथा आवश्यक धान बीज

का उठाव किया जा सकता है. ऐसा आव्हान जिप अध्यक्ष पंकज रहांगडाले, जिप सीईओ मुरुगानंथम, अतिरिक्त जिप मुख्य कार्यपालन अधिकारी तानाजी लोखंडे, जिप कृषि और पशुपालन सभापति रूपेश कुथे और कृषि विकास अधिकारी महेंद्र मडामे ने किया है.

कल्पतरु तैराकी स्पर्धा में बेटीयों, बेटों ने जीता गोल्ड, तैराकी में गोंदिया का बढ़ाया मान

गोंदिया-गोंदिया जिला शिक्षा स्तर पर विदर्भ के पहले पायदान पर है। शिक्षा के साथ ही छात्र और छात्राओं का रुझान खेल जगत की तरफ भी रफ्तार से बढ़ रहा है। उनके कौशल, रुचि के साथ छोटीसी उम्र से जिले के होनहार बेटे-बेटियां अलग अलग स्तर पर खेल स्पर्धाओं में भाग लेकर अपने झंडे गाड़ रहे है। इनमें से एक तैराकी भी है जिसमें बेटे-बेटियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपना लोहा मनवाया है। हाल ही में जिले के प्रतिष्ठित डॉक्टर, डॉ दीपक बाहेकर सर के प्रमुख उपस्थिति में अवयोजित कल्पतरु स्विमिंग प्रतियोगिता 2024-25 का आयोजन प्रतिभागियों एवं पालको की भारी संख्या के साथ किया गया था। जिसमे बेटे बेटियों ने शानदार खेल प्रदर्शन कर स्विमिंग स्पर्धा में गोल्ड मेडल जीतकर गोंदिया जिले का मान बढ़ाया। कार्यक्रम की सुरुवात मुख्य कोच शिव नागपुरे के उपस्थिति मे छत्रपति शिवाजी महाराज के चित्र को दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। प्रतिभावान तैराकी में बेटे बेटियों दोनो ने गोल्ड मेडल जीत कर कल्पतरु स्विमिंग प्रतियोगिता का आगाज किया, होनहार नन्हे तैराक स्त्री/पुरुष 6 से 9 वर्ष आयु वर्ग से सुरु होकर 37 वर्ष के युवाओ ने बढ़चढकर भाग लिया। इस तैराकी प्रतियोगिता में 7 वर्ष की नन्ही बेटी रीति गुप्ता ने प्रथम स्थान, यश्वी दुर्गाप्रसाद पटले दूसरा और हिमांशी मेठी तीसरे स्थान पर रही। बेटो में प्रेरित शर्मा प्रथम, अयान वडेरा द्वितीय तथा अथर्व सोमानी तृतीय स्थान पर रहे। 10 से 15 वर्ष बेटियों में काव्या राठौड़, आध्या पटले, सुहानी पारधी क्रमशः प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान पर रहे। बेटो में वैभव शिव नागपुरे, ओम अग्रवाल, अर्णव भूरले प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान पर रहे। वैसे ही पार्थ

सोनछात्रा, नवीश अग्रवाल, द्वितीय स्थान पर रहे, 16 से 21 वर्ष की आयु में नव्या अग्रवाल, संस्कृति शेंडे, तन्वी चौरसिया प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान पर रहे। प्रभव इसरका, मयूर धामडे, राही अंबुले, प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान पर रहे। पंकज अग्रवाल की ओर से दो गोल्ड कॉइन ऑलराउंड परफार्मेंस के लिए रखी गई थी जिसमे वैभव शिव नागपुरे एवं काव्या प्राची राठौड़ 12 वर्ष ने फ्रीस्टाइल, बेस्ट स्ट्रोक, अंडरवाटर स्विमिंग में प्रथम स्थान प्राप्त किया। वयस्क मे आंचल अग्रवाल राहुल तिवारी महेश राहंगडाले प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान पर रहे। सभी विजेताओं को कल्पतरु मोमेंटो, मेडल, पुष्पगुच्छ से सम्मानित किया गया। सभी प्रतिभागियों को पार्टिसिपेंट की ट्रॉफी दी गई और सभी विशाल जनसमुदाय के लिए स्वादिष्ट स्वास्थ्यवर्धक नाश्ता और जूस की व्यवस्था कल्पतरु स्विमिंग की ओर से डॉ. अनुराग बाहेकर द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष पंकज राहंगडाले , उद्घाटक मा.डॉ. दीपक बाहेकर , डॉ.सोमानी, डॉ.सचिन केलनका, डॉ. दुर्गाप्रसाद पटले, डॉ. तिमिरसिंह पटले, डॉ. आरती पटले, डॉ. मयूरी पटले, डॉ. मुकेश पारधी, डॉ. पूनम पारधी, मा. पंकज अग्रवाल, मा. सुधीर राठौड़ एवं कल्पतरु स्विमिंग के ब्रांड एंबेसडर मा. मुन्नालाल यादव, प्रा.डॉ.सविता बेदरकर मा. सुधीर नायर उपस्थित थे। मुख्य अतिथि के रूप मे डॉ गौरव अग्रवाल, डॉ.अमृता अग्रवाल पुष्पक जस्सानी, आकाश छितरका, मोहित मूंदड़ा, सचिन शेंडे, मुकेश शरणागत, क्षितिज तिवारी, विकास चौरसिया, अशोक लेकरिया, पियूष अग्रवाल (मोना टायर), प्रशांत चामट, जितू चौहान, अभय अग्रवाल, लखन धावड़े, प्रीति अग्रवाल, मौसमी सोनछात्रा, शिला शिव नागपुरे, हेमंत अग्रवाल , रोहित शर्मा, कृष्ण अग्रवाल, अंकित अग्रवाल, अमित लेकरिया, पूजा अग्रवाल, राहुल तिवारी, अंचल अग्रवाल सहित सभी कल्पतरु हेल्थ क्लब के सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम में विशेष सहयोगी सौ. स्वेता वडेरा, मीनाक्षी मानकर, शैलेंद्र बड़ोले, संदीप मानकर, लेकचंद धामडे, दीपक छुरा ने किया। कार्यक्रम का संचालन शिव नागपुरे एवं जज दीपक छुरा तथा आभार प्रदर्शन सुधीर नायर ने किया।

मनाया गया विश्व नेत्रदान दिवस

अंधेरी दुनिया को रोशन करने नेत्रदान जरूरी : डा. वानखेड़े

गोंदिया-नेत्रदान के महत्व को ध्यान में रखते हुए हर साल 10 जून को विश्व नेत्रदान दिवस के रूप में मनाया जाता है. इसके माध्यम से लोगों को नेत्रदान के प्रति जागरूक किया जाता है. प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ डा. आर.ए. भालचंद्र की याद में 10 जून को नेत्रदान दिवस के रूप में मनाएं जाने की जानकारी जिला स्वास्थ्य अधिकारी डा. नितिन वानखेड़े ने दी है. आंख मानव शरीर का मुख्य अंग है. अगर दृष्टि न हो तो हम प्रकृति द्वारा बनाई गई इस खूबसूरत दुनिया को नहीं देख सकते. लेकिन आजकल दुनिया बहुत करीब हो गई है. मोबाइल, इंटरनेट से लोगों में अंधेपन की शिकायत बढ़ने लगी है. जिले में बड़े पैमाने पर दृष्टिहीन लोगों की संख्या बढ़ रही है. कोई भी व्यक्ति नेत्रदान कर सकता भारत में कानून के मुताबिक नेत्रदान मरणोपरांत

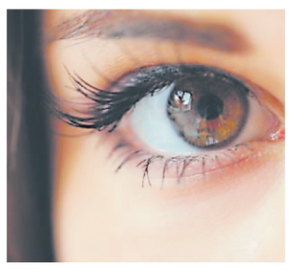

किया जाना चाहिए, लेकिन एक साल की उम्र पूरी कर चुका कोई भी व्यक्ति नेत्रदान कर सकता है. यह नेत्रदान वे लोग भी कर सकते हैं जो मोतियाबिंद सर्जरी, मधुमेह, उच्च मानसिक परेशानी से पीड़ित हैं और चश्मा पहनते हैं. अपने मृत्यु पत्र में नेत्रदान की इच्छा व्यक्त करने और निकटतम संबंधियों को यह विचार देने से मृतक की आंखें भविष्य में किसी के काम आ सकती हैं. किसी व्यक्ति की मृत्यु के बाद उसके शव की जिम्मेदारी उस व्यक्ति के उत्तराधिकारियों की होती है. किसी मृत व्यक्ति के नेत्रदान के लिए उसके उत्तराधिकारियों की अनुमति की आवश्यकता होती है. यदि उत्तराधिकारी अनुमति न दे तो नेत्रदान नहीं किया जा सकता.

विश्व पर्यावरण दिवस पर पदयात्रा

आमगांव में निकाली गई जल संरक्षण रैली

आमगांव-नागपुर दिव्य ज्योति जागृति संस्थान द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया. विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में संस्थान के संरक्षण प्रकल्प के नीर संरक्षण अभियान के अंतर्गत जागरुकता पदयात्रा निकाली गई. पदयात्रा का शुभारंभ आमगांव स्थित कालीमाता मंदिर से हुआ.

पदयात्रा में विविध पोस्टर्स के माध्यम से नागरिकों को जल संरक्षण का संदेश दिया गया. नल को ठीक से बंद नहीं करने, ब्रश करते समय नल शुरु रखने, गाड़ी धोते समय बाल्टी का उपयोग न कर पाइप का उपयोग करने, टपकते हुए नल को ठीक न करने की वजह से रोजाना लगभग 50 लीटर पानी व्यर्थ होने का उल्लेख करते हुए जल संरक्षण के लिए बेहतर आदतों वाले पम्पलेट वितरित कर पानी का महत्व समझाया गया. साथ ही घटते जल स्तर पर रोकथाम का संदेश विविध पोस्टर्स के माध्यम से दिया गया. स्लोगन के माध्यम से बच्चे, महिला एवं पुरुषों को जल संरक्षण के लिए जागरुक करने करने का प्रयास किया गया. इस पदयात्रा में लोगों ने भी शामिल होकर जन-जन तक जल संरक्षण का संदेश पहुंचाया. दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान का संरक्षण प्रकल्प एक पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम है. जिसका उद्देश्य पर्यावरण संतुलन को फिर से स्थापित करने का है.

फुलचूर में घर से साढ़े तीन लाख के गहने हुए चोरी

गोंदिया-ग्रामीण पुलिस स्टेशन के अंतर्गत ग्राम फुलचुर के जलाराम लॉन निवासी मोमलता मनोज पटले (34) के घर का मुख्य दरवाजा तोड़कर अज्ञात चोर 50 हजार रुपए कीमत के आभूषण चोरी कर ले गए। यह घटना रविवार (9 तारीख) सुबह करीब 3 बजे की है.

38 ग्राम वजन वाले मंगलसूत्र की कीमत दो लाख रुपये, 38 ग्राम वजन वाले सोने के हार की कीमत 50,000 रुपये, 6 ग्राम वजन वाली सोने की बाली की कीमत 10,000 रुपये, 10 ग्राम वजन वाली सोने की चेन की कीमत 23,000 रुपये, 8 ग्राम वजन वाली दो सोने की अंगूठियां 20,000 रुपये हैं। हजार रुपये, 4 ग्राम सोने की नथ कीमत छह हजार रुपये, 5 ग्राम मंगलसूत्र कीमत चार हजार रुपये, 5 ग्राम सोने की बाली कीमत 10 हजार रुपये, 15 तोला चांदी चाला कीमत 10 हजार रुपये, 2 ग्राम सोने के तार की कीमत 2 हजार रुपये, 1 ग्राम सोने की कीमत 1 हजार रुपये. 1500 रुपये की घड़ी और 500 रुपये की पूजा की थाली समेत 3 लाख 40 हजार रुपये के आभूषण चोरी हुए हैं। इस घटना के संबंध में मोमलता पाटले की शिकायत पर ग्रामीण पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 457, 380 के तहत मामला दर्ज किया है. जांच पुलिस उपनिरीक्षक मट्टामी कर रहे हैं।

जिले में 20 जून तक निषेधाज्ञा लागू

गोंदिया-पुलिस अधीक्षक गोंदिया कार्यालय के पत्र 31 मई 2024 के अनुसार 6 से 20 जून 2024 तक विभिन्न दलों व संगठनों द्वारा धरना, मोर्चा, विरोध प्रदर्शन, जेल भरो आंदोलन व हड़ताल आदि का आयोजन किया जा रहा है. साथ ही 17 जून को %बकरी ईद% का त्योहार/पर्व मनाया जाएगा. जिससे जिले में कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी गोंदिया को प्राप्त अधिकार अंतर्गत सन 1951 की मुंबई पुलिस अधिनियम संख्या 22 की धारा 37 (1) (3) के तहत 6 से 20 जून तक अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी विजया बनकर ने जिले में निषेधाज्ञा लागू कर दी है. उक्त अधिसूचना की किसी भी शर्त का उल्लंघन होने पर संबंधित के विरूद्ध आपराधिक नियमों के तहत उचित कार्रवाई की जाएगी.

वैष्णोदेवी श्रद्धालुओं की बस पर आतंकी हमला

पाकिस्तानी आतंकवाद का पुतला दहन कर बजरंग दल ने किया विरोध प्रदर्शन

बुलंद गोंदिया- जम्मू कश्मीर में वैष्णो देवी कटरा से शिवपुरी जाते समय आतंकियों द्वारा हिंदू श्रद्धालुओं से भरी बस पर आतंकी हमला कर 10 तीर्थ यात्रियों की हत्या किए जाने पर गोंदिया जिला बजरंग दल द्वारा इस घटना का विरोध करते हुए पाकिस्तानी आतंकवाद के पुतले का दहन कर इस आतंकवादी घटना के खिलाफ राष्ट्रपति के नाम जिलाधिकारी को ज्ञापन दिया। जम्मू कश्मीर में मां वैष्णों देवी कटरा से शिवखोडी जाते समय 9 जुन 2024 को हिंदू श्रद्धालुओं की बस पर कुर पाकिस्तानी पोषित इस्लामिक जेहादी आतंकवादियों ने हमला किया जिसमे 10 निर्दोष हिंदू तिर्थयात्री मारे गए यह घटना संपूर्ण देशवासियों को स्तब्ध करने वाली है। इस क्रूरतम दुष्कृत्य से पूरा देश आहत है और तीव्र आक्रोश में है, जम्मू कश्मीर लंबे समय से पाकिस्तानी पोषित आतंकवादी का

दंश झेल रहा है, धारा 370 हटने के बाद एक आशा की ज्योत जगी है, लेकीन लगता है उग्रवादियों का मनोबल अभी कम नहीं हुआ है। हिंदुओ को चिन्हीत करके उनकी हत्या की घटनाएं बढी है. इस सब के पिछे स्पष्ट रूप से पाकिस्तान का हाथ है। देश में नई सरकार के शपथ समय पर इस प्रकार का दुस्साहसिक कृत्य करके इस्लामी आतंकवादियों ने देश में संप्रभुता को चुनौती दी है. बजरंग दल ने मारेगए हिंदू तिर्थयात्रियों के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित किया। इस कायराना कृत्य की तीव्र आक्रोश व्यक्त करते हुए, इस प्रकार की गतिविधियों पर पूर्ण नियंत्रण पाने के लिए निर्णायक और कठोर कदम उठाने का केंद्र सरकार को निर्देश दे तथा इस प्रकार के तत्वों को संरक्षण देने वाले आतंकी व विदेशी तत्वों का भी कठोरता से समुचित इलाज हो, ऐसा केंद्र सरकार से सुनिश्चित कराने का आग्रह करने के लिए विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल द्वारा गोंदिया के नेहरू चौक पर पाकिस्तानी आतंकवाद का पुतला जलाकर जिलाधीश के माध्यम से राष्ट्रपती को ज्ञापन दिया गया। इस समय गोंदिया जिला विहिंप सहमंत्री देवेश मिश्रा, भंडारा विभाग विहिंप मंत्री रमन सिंघल, सुनील कोहडे, सुभाष पटले, सह संयोजक अंकित कुलकर्णी, बालाराम व्यास, महेंद्र देशमुख, वसंत ठाकुर, हरीश अग्रवाल, प्रमोद शहारे, राजू मारवाडे, मुकेश हरिनखेडे, हार्दिक जिवानी, प्रदीप बिसेन, प्रणव मेश्राम, गुड्डू टेंभरे, बबलू गभने, भोलाराम कोकाटे, अभिमन्यु चतरे, कृष्ण तिवडे, विनय हरिनखेडे, प्रोहित अंबुले, युगल गौतम, नितिन गौतम, अरुण चौधरी, राहुल बघेले, पंकज राउत, सोनू गौतम, प्रकाश चुटे, विजय भोयर, खिलेश मिश्रा, पंकज पारधी, जागेश रीनाइत, जागेश्वर राउत, प्रदेशी सोयाम, हेमराज टेकाम, किरण भिमटे, शुभम नेवारे, श्रावण लाहोरिया, वामन ब्राम्हणकर आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

नीट परीक्षा में धांधली के विरोध में एनएसयूआई गोंदिया ने विरोध प्रदर्शन कर सीबीआई जांच की मांग

बुलंद गोंदिया। हाल ही में घोषित किए गए मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट के परिणामों में भारी मात्रा में धांधली सामने आई हैं जिसमें एक ही परीक्षा केंद्र में कई छात्रों को एक समान अंक एवं अत्याधिक अंक प्राप्त हुए हैं। जिससे यह नीट की संपूर्ण परीक्षा सवालों के घेरे में खड़ी हो गई हैं। एक तरफ4 जून को देश में हुए लोकसभा चुनाव के परिणाम घोषित हो रहे थे वहीं दूसरी तरफ नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा दी गई तारीक के पूर्व ही चुनाव रिज़ल्ट के दिन ही परीक्षा परिणाम क्यों घोषित किया गया यह एक सवाल खड़ा हो रहा है। इस मामले में पूरे देश के छात्रों में आक्रोश की भावना निर्माण हो गई है इसे लेकर गोंदिया जिला एनएसयूआई जिला अध्यक्ष अमन तिगाला, गोंदिया शहर अध्यक्ष कृष्णा बिभार के नेतृत्व में गोंदिया जिला कांग्रेस कार्यालय से एसडीओ कार्यालय गोंदिया तक गोंदिया जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष पूर्व विधायक दिलीप बंसोड़ , शहर अध्यक्ष ऐड योगेश अग्रवाल,तालुका अध्यक्ष रमेश अंबुले , गोंदिया जिला युवक कांग्रेस अध्यक्ष राजकुमार बागड़े इनकी प्रमुख उपस्तिथि में मोर्चा निकालकर प्रतिनिधी मंडल ने राष्ट्रपति के नाम एसडीओ गोंदिया के मार्फत नीट परीक्षा को रद्द करने और इस पूरे मामले की सीबीआई द्वारा जांच कराने के लिए ज्ञापन सौंपा गया।मोर्चे में कृउबास उपसभापति राजकुमार पप्पू पटले, नीलम हलमारे, सूर्यप्रकाश भगत, कृउबस संचालक राजीव ठकरेले , सुशील खरकटे, योगी भेलावे, एवं एनएसयूआई जिला उपाध्यक्ष अमान रोघाटिया, जुनैद पठान, सुमित महाजन, हर्ष ग्वालवंशी, सार्थक बोरकर , गौरव बिसेन,हर्ष भवरे, मंथन बोपचे, राहुल कनोजिया, साकेत पांडे, राहुल बावनथडे, शिवम ओगले, मोहित टेंभूरने , प्रणय मेश्राम, सुमित बागडे , योगेश चंदनिया सहित अन्य कांग्रेस एवं एनएसयूआई के पदधिकारी तथा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

शराबी को चिल्लाने पर समझाना भारी पड़ा घर से कुल्हाड़ी लाकर किया जानलेवा हमला

गोंदिया-जिले में आपराधिक घटनाएं आये दिन घटित हो रही है। मामूली सी बातों पर जानलेवा हमला, आम नागरिकों को सांसत में डाल रहा है। अभी हाल ही में जिले के आमगांव थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम म्हारिटोला में एक शराबी को चिल्लाने पर समझाईश देना भारी पड़ गया। पुलिस प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार ये वारदात 8 जून के 11 बजे के दौरान की है। आमगांव थाना क्षेत्र के म्हारिटोला में फिर्यादि दिलीप सखाराम पाचे उम्र 40 वर्ष के घर के सामने आरोपी शराबी जोर जोर से चिल्ला रहा था। जब फिर्यादि ने उससे पूछा कि तुम इतना चिल्ला क्यों रहे हो, अपने घर जाकर चिल्लाओ तो, शराबी आरोपी बिफर गया ओर गाली गलौच व जान से मारने की धमकी देकर चला गया। आरोपी ने घर जाकर कुल्हाड़ी लायी और फिर्यादि के घर आकर फिर्यादि जब कुर्सी पर बैठा था तब, उसके सिर के बाईं ओर, बाएं गाल और बाईं भौं पर कुल्हाड़ी के डंडे से प्रहार किया। इस वारदात में वादी की खोपड़ी और गाल की हड्डी को गंभीर रूप से चोटे आयी है। वादी की मौखिक रिपोर्ट पर और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर आरोपी के खिलाफ आईपीसी की धारा-307, 326, 324, 504, 506 के तहत मामला दर्ज किया गया है। उक्त अपराध की जांच पुलिस उपनिरीक्षक वलसे आमगांव द्वारा की जा रही है।

वार्षिक कार्यक्रम एवं सामूहिक श्रद्धांजलि कार्यक्रम 23 को

गोंदिया-विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल द्वारा संचालित सर्व समाज मोक्षधाम सेवा समिति द्वारा 23 जून को पार्वती घाट मोक्षधाम परिसर में वार्षिक कार्यक्रम एवं सामूहिक श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया है. शहर के एकमात्र पार्वती घाट के मोक्षधाम परिसर में नगर परिषद एवं की ओर से साफ-सफाई अभियान लगातार समाज की सहायता से किया जा रहा है. 23 जून को साफ-सफाई अभियान के 416 सप्ताह (8 वर्ष) पूरे हो रहे हैं. इस दौरान सर्वसमाज मोक्षधान सेवा समिति की ओर से पार्वती घाट के मोक्षधाम परिसर में वार्षिक कार्यक्रम एवं सामूहिक श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया है. जिसमें सुबह 7 से 8.30 बजे साफ-सफाई अभियान एवं 8.30 बजे सामूहिक श्रद्धांजलि कार्यक्रम रखा गया है।

प्रतिमा हटाने की मांग को लेकर तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

आमगांव-आमगांव तहसील कांग्रेस कमेटी ने संसद भवन के सामने से शिवाजी महाराज, महात्मा गांधी, डा. बाबासाहेब आंबेडकर तथा महात्मा फुले की प्रतिमा हटाने को लेकर तहसीलदार के माध्यम से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को निवेदन भेजा। प्रतिनिधि मंडल में तहसील कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष संजय बाहेकर, अनु. जाति अध्यक्ष रामेश्वर श्यामकुवर, कांग्रेस कमेटी की महिला उपाध्यक्ष प्रभा उपराडे, महेश उके, जिप सदस्य छबु उके, जिला महासचिव उज्वल बैस, अनु. जाति उपाध्यक्ष पिंकेश शेंडे, प्रशांत रावते आदि का समावेश है।

विश्व पर्यावरण दिन मनाकर विविध प्रजाति के पौधों का किया रोपण

बुलंद गोंदिया। (डोंगरगांव)- राष्ट्रीय माध्यमिक विद्यालय डोंगरगांव और सामाजिक वनीकरण विभाग गोंदिया के संयुक्त तत्वाधान में जागतिक पर्यावरण दिन मनाया गया ।इस अवसर पर प्राचार्य विनय काथवटे, आर जी नागपुरे वनपाल सामाजिक वनीकरण, रूपचंद बल्हे वनरक्षक, अनिल सहारे राष्ट्रीय हरित सेना प्रभारी, धनीराम केवट वन मजूर ,नितेश गेडाम सामाजिक वनीकरण, सुनील पटले, सुनील मेश्राम ,खेमराज बिसेन, शुक्राचार्य बर्वे ,शिल्पा मेंढे मैडम,ज्योति गौतम, मोनिका चौधरी, सोयाम मैडम आदि उपस्थित थे। विद्यार्थियों ने शाला परिसर में विविध प्रजाति के पौधों का रोपण किया जिसमें आम, जामुन, नीम, शीशम, करंजी, गुलमोहर आदि पेड़ों का समावेश है। वनपाल नागपुरे ने संबोधित करते हुए कहा कि जागतिक पर्यावरण के दिन सभी लोगों ने पेड़ों को लगाने का प्रण करना चाहिए तथा आज देश में बढ़ रही प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए वृक्षारोपण आज बहुत जरूरी है। राष्ट्रीय हरित सेना प्रभारी अनिल सहारे सर ने बताया कि आज पूरे विश्व में तापमान में लगातार वृद्धि हो रही है हमे स्वयं को पेड़ पौधे लगाने का संकल्प लेना चाहिए अपने आस पास के परिसर को हरा भरा रखने का संकल्प लेना चाहिए। सभी विद्यार्थियो ने इस बारिश पेड़ पौधे लगाने की प्रतिज्ञा ली।

आपदा से हुए नुकसान का लिया जायजा

गोंदिया -जिले में 8 जून को आए तेज अंधड़ एवं बारिश की वजह से कई स्थानों पर भारी नुकसान हुआ है. तहसील के ग्राम चुटिया में भी तेज अंधड़ एवं बारिश की वजह से कई लोगों के घर ढह गए. यह जानकारी मिलने के बाद जिला परिषद अध्यक्ष पंकज रहांगडाले ने ग्राम चुटिया में जाकर आपदा से हुए नुकसान का जायजा लिया. तहसील के ग्राम चुटिया में अंधड़ एवं बारिश की वजह से घरों का बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है. रहांगडाले ने ग्राम चुटिया जाकर नुकसान का जायजा लिया. आपदा पीड़ितों से मुलाकात की. रहांगडाले ने नुकसान का तत्काल पंचनामा कर सरकार को रिपोर्ट भेजने एवं प्रभावित परिवारों को मुआवजा दिलाने का आदेश दिया. रहांगडाले ने लोगों को नुकसान का मुआवजा जल्द दिलाने प्रयास करने का आश्वासन दिया. इस दौरान जिला परिषद सदस्य एवं सभापति योपेंद्रसिंह टेंभरे, अजीत टेंभरे, दुर्गाप्रसाद ठाकरे, दिलीप बोपचे, गणराज पटले एवं ग्रामवासी उपस्थित थे.

कैंसर ग्रस्त ब्लाडर का 8 घंटे की सफल शल्य क्रिया कर कृत्रिम ब्लाडर का निर्माण

गोंदिया में पहली बार डॉक्टर नोव्हिल ब्राह्मणकर ने कर 55 वर्षीय महिला को दिया नया जीवन

» आयुष्मान योजना के अंतर्गत ब्राह्मणकर हॉस्पिटल में महिला मरीज का उपचार

नवीन अग्रवाल।(बुलंद गोंदिया)- शहर का ब्राह्मणकर हॉस्पिटल आयुष्मान भारत वह महात्मा ज्योतिबा फुले योजना के अंतर्गत मरीजो का सफल उपचार कर उन्हें जीवन प्रदान कर रहा है। जिसमें कैंसर ग्रस्त मरीजों के उपचार बड़े पैमाने पर हो रहे हैं। पड़ोसी जिले मध्य प्रदेश निवासी 55 वर्षीय महिला के ब्लाडर (मूत्राशय की थैली) 4 वर्षो से कैंसरग्रस्त थी। जिसका 8 घंटे तक चले लेप्रोस्कोपी ऑपरेशन में कैंसर ग्रस्त ब्लाडर को निकलकर कृत्रिम ब्लाडर का निर्माण गोंदिया शहर में पहली बार डॉक्टर नोव्हिल ब्राह्मणकर द्वारा सफलतापूर्वक कर कीर्तिमान रचते हुए महिला को एक नया जीवन दिया। कैंसर की बीमारी आज भी मरीज के लिए जानलेवा बनी हुई है किंतु यदि प्राथमिक चरण में बीमारी का पता लग जाता है तो उसका उपचार कर काफी हद तक मरीज की जान बचाई जा सकती है। आधुनिक परिवेश में कैंसर विभिन्न रूपों में सामने आता है इसी प्रकार का एक मामला गोंदिया शहर के प्रसिद्ध ब्राह्मणकर हॉस्पिटल में सामने आया जिसमें गोंदिया जिले से लगे पड़ोसी राज्य मध्य प्रदेश बालाघाट के छोटे से गांव की निवासी 55 वर्षीय महिला जो 4 वर्षों से ब्लाडर (मूत्राशय की थैली) के कैंसर से ग्रस्त थी। शुरुआत में कोविड कल शुरू रहने के चलते बीमारी सामने आने पर उपचार में काफी परेशानियों का सामना पीड़ित महिला वह परिजनों को करना पड़ा। प्राथमिक उपचार नागपुर में करवाया लेकिन इस उपचार में बड़े शहरों में जाना और अधिक पैसा खर्च होना यह परिवार की स्थिति में नहीं था। वर्ष 2020 में बीमारी के सामने आने पर डॉक्टर ब्राह्मणकर से भी इसकी जांच करवाई गई थी किंतु इसके पश्चात नागपुर के एम्स व अन्य अस्पताल में पीड़ित द्वारा अपना उपचार करवाया गया। इस दौरान महिला को अनेकों बार कीमोथेरेपी का उपचार भी दिया गया लेकिन इससे महिला मरीज को किसी भी प्रकार का लाभ नहीं मिल रहा था। जिसका एकमात्र उपाय यह था कि महिला ब्लाडर (मूत्राशय की थैली) को निकालकर नए कृत्रिम ब्लाडर का निर्माण किया जाए

लेकिन यह जटिल शल्य क्रिया मुंबई, हैदराबाद, दिल्ली जैसे महानगरों में ही की जा सकती थी। इसके पश्चात महिला मरीज के परिजनों द्वारा डॉक्टर नोव्हिल ब्राह्मणकर से संपर्क कर संपूर्ण वस्तु स्थिति सामने रखी जिस पर डॉक्टर नोव्हिल द्वारा इस जटिल शल्य क्रिया को करने का निश्चय किया व आपरेसन शासकीय योजना आयुष्मान भारत के अंतर्गत करने की मंजूरी ली गई। आयुष्मान योजना के अंतर्गत उपचार करने की अधिकृत मंजूरी मिलने के पश्चात महिला मरीज की शल्य क्रिया डां नोव्हिल नेअपनी टीम के साथ प्रक्रिया शुरू की गई तथा यह जटिल ऑपरेशन करीब 8 घंटे तक चला। यह शल्यक्रिया लेप्रोस्कोपी से कर कैंसर ग्रस्त सभी सेल को सफलतापूर्वक बाहर निकल गया तथा इसके पश्चात शरीर की अन्य अतड़ियो की सहायता से कृत्रिम ब्लाडर का निर्माण किया गया जिससे महिला को इस जानलेवा बीमारी की असहनीय पीड़ा से निजात मिली। वह महिला को डॉक्टर ब्राह्मणकर द्वारा एक नया जीवन दिया गया।

ब्लाडर कैंसर के प्रमुख लक्षण

ब्लाडर में कैंसर होने पर इसके लक्षण में प्राथमिक रूप से पेशाब के माध्यम से खून निकलना वह मरीज के कमजोर होने तथा शरीर में रक्त की कमी होने की समस्या सामने आती है जिसमें मरीज की तत्काल जांच करवाना अनिवार्य है।

ब्लाडर कैंसर होने के कारण ब्लाडर (मूत्राशय की थैली) का कैंसर महिला व पुरुष दोनों को हो सकता है जिसमें मुख्य रूप से स्मोकिंग, तंबाकू का सेवन वह अनुवांशिक, पथरी होना मुख्य रूप से है यदि समय रहते इसकी जानकारी मिल जाए तो उपचार कर काफी हद तक मरीज की जान बचाई जा सकती है।

मरीज की स्थिति क्रिटिकल 55 वर्षीय महिला की

मूत्राशय की थैली कैंसर ग्रस्त ब्लैडर के ऑपरेशन के पूर्व काफी क्रिटिकल स्थिति क्योंकि हीमोग्लोबिन 4 पॉइंट पर आ गया था जिससे शल्य क्रिया के पूर्व करीब 4 यूनिट रक्त चढ़ाया गया ज्यादा काफी हद तक स्थिति सामान्य करने के पश्चात ही यह सल्ले क्रिया सफलतापूर्वक की गई।

समय पर जांच व उपचार ही बचाव

कैंसर लक्षण दिखाई देने पर इसकी जांच करवाने के पश्चात निरंतर उपचार करवा कर कैंसर बीमारी से बचा जा सकता है। इस महिला मरीज के मामले में ब्लाडर को निकालने के साथ ही नयाब्लाडर का निर्माण करना वह बच्चेदानी को भी निकलना था जिससे यह काफी क्रिटिकल ऑपरेशन था लेकिन महिला मरीज वह परिजनों ने पूर्ण सहयोग दिया जिससे यह ऑपरेशन सफलतापूर्वक किया जा सका।

डॉ नोव्हिल ब्राह्मणकर व शासकीय योजनाओं का बहुत-बहुत धन्यवाद महिला मरीज के पुत्र असलम शेख बालाघाट जिला निवासी ने बुलंद गोंदिया को जानकारी देते हुए बताया गया कि इस गंभीर समस्या में डॉक्टर नोव्हिल ब्राह्मणकर ने विशेष सहयोग दिया तथा महानगरों में होने वाला ऑपरेशन गोंदिया शहर में कर समय व पैसा बचाने के साथ ही मरीज की जान बचाई। साथ ही शासकीय योजनाओं का पूर्ण रूप से लाभ दिया जिसके लिए डॉक्टर ब्राह्मणकर वह शासकीय योजनाओं का लाभ मिलने पर सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद व आभार व्यक्त किया।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया-४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित । संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र.९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया ।